भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2026-2027)

कक्षा - 9	विषय - हिंदी (पाठ्यक्रम-ब) पाठ्यपुस्तक - गंगा	Date - 20-04-2026
प्रश्न बैंक	पाठ: दो बैलों की कथा लेखक - मुंशी प्रेमचंद	Note: Pl. file in portfolio

नाम: _____अनुभाग: _____अनुक्रमांक: _____दिनांक: _____

प्रश्न 1. "गिरे हुए बैरी पर सींग नहीं चलाना चाहिए" हीरा ने ऐसा क्यों कहा और इससे हीरा के स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है?

उत्तर - 'दो बैलों की कथा' में हीरा ने कहा कि "गिरे हुए बैरी पर सींग नहीं चलाना चाहिए" क्योंकि उसका मानना था कि जब शत्रु पहले ही पराजित होकर गिर चुका है तो उस पर और वार करना अन्याय और क्रूरता होगी। यह कथन हीरा के स्वभाव की उदारता, करुणा और न्यायप्रियता को दर्शाता है। वह केवल बलवान नहीं बल्कि संयमी और क्षमाशील भी है, जो यह समझता है कि असली वीरता पराजित को क्षमा करने में है। इस प्रसंग से शिक्षा मिलती है कि शक्ति के साथ दया और न्याय भी आवश्यक हैं।

प्रश्न 2. "वह अपना धर्म छोड़ दे लेकिन हम अपना धर्म क्यों छोड़ें" हीरा ने कब तथा क्यों कहा ?

उत्तर - 'दो बैलों की कथा' में हीरा ने यह कहा जब उनको लड़की ने खोल दिया था और वे भाग गए थे। उस वक़्त मोती ने कहा कि गया को वहीं मार गिराना था। तब हीरा ने कहा - "वह अपना धर्म छोड़ दे लेकिन हम अपना धर्म क्यों छोड़ें" क्योंकि उसका विश्वास था कि चाहे दूसरा अन्याय करे या अपने कर्तव्य से विमुख हो जाए, हमें अपने धर्म और कर्तव्य का पालन करना चाहिए। यह कथन हीरा के स्वभाव की दृढ़ता, धर्मनिष्ठा और नैतिकता को दर्शाता है। इससे शिक्षा मिलती है कि विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों और धर्म का पालन करना ही सच्ची महानता है।

प्रश्न 3. 'दो बैलों की कथा' में बैलों का काँजीहाउस में बंद होना न्याय भी है और अन्याय भी। इस पर अपने विचार लिखिए।

उत्तर - 'दो बैलों की कथा' में बैलों का काँजीहाउस में बंद होना न्याय भी है और अन्याय भी। न्याय इसलिए कि उन्होंने गाँव के नियम तोड़े थे और उन्हें अनुशासन सिखाने के लिए दंड दिया गया, पर यह अन्याय भी है क्योंकि असली दोष उनका नहीं था और परिस्थितियों के कारण उन्हें सज़ा मिली। इस तरह यह घटना दिखाती है कि समाज में नियम पालन के नाम पर कभी-कभी निर्दोष भी दंडित हो जाते हैं।

प्रश्न 4. "हम और तुम हमेशा साथ रहे और अब तुम विपत्ति में पड़े तो मैं तुमसे अलग हो जाऊँ?" किसने तथा कब कहा ?

उत्तर - 'दो बैलों की कथा' में यह मोती ने कहा - "हम और तुम हमेशा साथ रहे और अब तुम विपत्ति में पड़े तो मैं तुमसे अलग हो जाऊँ?" यह उसने उस समय कहा जब मोती ने दीवार तोड़ दी थी और हीरा रस्सी तुड़ाकर भागने की स्थिति में नहीं था। उसने ऐसा इसलिए कहा कि वह मित्रता और साथ निभाने को सबसे बड़ा धर्म मानता था। इस कथन से उसके स्वभाव की **निष्ठा, मित्रता और त्यागभाव** की विशेषता प्रकट होती है। वह यह दिखाता है कि सच्चा साथी वही है जो सुख-दुख में साथ खड़ा रहे और विपत्ति में भी अपने मित्र को न छोड़े।

प्रश्न 5. हीरा और मोती की विशेषताएँ कुछ-कुछ समान और कुछ-कुछ अलग हैं, किंतु उनकी भिन्न विशेषताएँ एक-दूसरे को पूरा करती हैं। कैसे?

उत्तर - 'दो बैलों की कथा' में हीरा और मोती की मित्रता अद्‌वितीय है। दोनों में साहस है और एक-दूसरे के लिए समर्पण की भावना है। दोनों परिस्थिति के आधार पर एक-दूसरे की सहायता करते हैं। हीरा शांत, विचारशील और सहनशील है जबकि मोती उग्र, बहादुर और विद्रोही स्वभाव का है । हीरा की बुद्‌धिमत्ता और मोती की वीरता मिलकर एक-दूसरे की कमियों को पूरा करते हैं। जब मोती गुस्से में ग़लत क़दम उठाने वाला होता है, तब हीरा उसे रोकता है और जब मुसीबत आती है तो मोती आक्रामक होकर रक्षा करता है। हीरा अत्याचार को सहन करने (धैर्य) में विश्वास करता है जबकि मोती अन्याय के विरुद्‌ध तुरंत विद्रोह करता है।

प्रश्न 6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

दाँतों पसीना आना, दिल काँप उठना, ख़बर लेना, जी तोड़कर काम करना, ग़म खा जाना, ईंट का जवाब पत्थर से देना, नौ दो ग्यारह होना।

- **उत्तर - दाँतों पसीना आना - अर्थ:** बहुत अधिक परेशानी उठाना।
- **वाक्य प्रयोग:** आजकल बेरोज़गार युवकों को नौकरी की तलाश करते हुए **दाँतों पसीना आ** जाता है।
- **दिल काँप उठना - अर्थ:** बहुत डर जाना या भयभीत हो जाना।
- **वाक्य प्रयोग:** रात के अँधेरे में सुनसान सड़क देखकर मेरा **दिल काँप उठा**।
- **ख़बर लेना - अर्थ:** सज़ा देना।
- **वाक्य प्रयोग:** पिताजी ने जब बेटे की शिकायत सुनी, तो उसकी **ख़बर लेने** घर आ गए।
- **जी तोड़कर काम करना - अर्थ:** बहुत कड़ी मेहनत करना या पूरी शक्ति से काम करना।
- **वाक्य:** परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्‌यार्थियों को **जी तोड़कर काम करना** चाहिए।
- **ग़म खा जाना - अर्थ:** दुःख को सहन कर लेना या धैर्य रखना।
- **वाक्य प्रयोग:** अपनों का कठोर व्यवहार देखकर भी वह **ग़म खा गया** और कुछ नहीं बोला।
- **ईंट का जवाब पत्थर से देना - अर्थ:** दुष्ट के साथ दुष्टता करना या करारा जवाब देना।
- **वाक्य प्रयोग:** भारतीय सेना ने दुश्मन के हमला करने पर **ईंट का जवाब पत्थर से दिया**।
- **नौ दो ग्यारह होना - अर्थ:** भाग जाना।
- **वाक्य प्रयोग:** पुलिस को देखते ही चोर **नौ दो ग्यारह हो** गए।